" प्रारंभिक स्तर पर अनुसूचित जनजाती के छात्र–छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति, शैक्षिक उपलब्धी एवं शैक्षिक समस्या तथा प्राथमिक शालाओं में प्राप्त सुविधा का विश्लेषणात्मक अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की

एम एड परीक्षा

की

आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु–शोध प्रबंध

2004–2005

मार्गदर्शक
डॉ. मधूलिका एस.पटेल
प्रवाचक शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
अभोल म. मांडेकर
(एम एड छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली)
श्यामला हिल्स भोपाल – 462013

2004:2005

" प्रारंभिक स्तर पर अनुसूचित जनजाती के छात्र–छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति, शैक्षिक उपलब्धी एवं शैक्षिक समस्या तथा प्राथमिक शालाओं में प्राप्त सुविधा का विश्लेषणात्मक अध्ययन"

D-203

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की

एम एड परीक्षा

की

आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु–शोध प्रबंध

2004–2005

मार्गदर्शक
डॉ. मधूलिका एस.पटेल
प्रवाचक शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
अमोल म. मांडेकर
(एम एड छात्र)

LIBRARY
Regional Institute of Education
Bhopal

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली)
श्यामला हिल्स भोपाल – 462013

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अमोल मधूकर मांडेकर** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई. आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने **बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय** भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"प्रारंभिक स्तर पर अनुसूचित जनजाती के छात्र–छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति, शैक्षिक उपलब्धी एवं शैक्षिक समस्या तथा प्राथमिक शाला में प्राप्त सुविधा का विश्लेषणात्मक अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध– प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2004–2005 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 21.03.05

निर्देशिका

मधूलिका

डॉ.मधूलिका एस.पटेल
प्रवाचक,शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म0प्र0).

// आभार ज्ञापन //

प्रस्तुत लघू शोध–प्रबंध " प्रारंभिक स्तर पर अनुसूचित जनजाती के छात्र–छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति, शैक्षिक उपलब्धी, एवं शैक्षिक समस्या तथा प्राथमिक शाला में प्राप्त सुविधा का विश्लेषणात्मक अध्ययन ! की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय श्रद्धेय डॉ. मधूलिका एस पटेल (प्रवाचक शिक्षा विभाग) क्षेत्रीय शिक्षा संस्था भोपाल को हैं। जिन्होंने निरन्तर उचित मार्गदर्शन पर्याप्त निर्देश तथा हमेशा प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमुल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघू शोध प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमुल्य समय में से एक अध्यापक अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है। अतः मैं उनका ऋणी हूं।

मैं आदरणीय डॉ (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठता शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आर्शिवाद हेतू हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने मुझे शोध कार्य की सम्पन्नता में मौलीक सहयोग प्रदान किया है।

मैं डॉ. यू लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक शिक्षा विभाग) तथा डॉ. सुनीता खरे (प्रवाचक शिक्षा संस्थान) का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने शोध उपकरण निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारी का हृदय से आभारी हूं।

मैं अपने सहपाठी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने समय–समय पर यह कार्य पूर्ण करने में मेरा साहस बढ़ाया ।

मैं अपने पुज्यनयीय पिताजी–माताजी का सदैव ऋणी रहूंगा जिन्होंने मेरे इस शोध कार्य को सफल कराने में आर्थिक स्त्रोत एवं ममतामयी प्रेरणा का कार्य किया। मैं **अपने भाई नितीन का ऋणी रहूंगा** जिन्होंने मेरे अध्ययन से महत्वाकाक्षा की पूर्ती हेतू तन,मन,धन से सहयोग दिया है।

अतः में मैं उन सभी व्यक्तियों का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने इस लघूशोध कार्य को पूरा करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मदत की है।

अमोल म. मांडेकर
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

अनुक्रमणीका

		पृष्ठ संख्या
मुख्य पृष्ठ		I
प्रमाण पत्र		II
आभार ज्ञापन		III
सांख्यिकी सारणी		34-40
प्रथम अध्याय		
प्रस्तावना		1
1.1	शिक्षा का मूलभूत अधिकार	2
1.2	सब के लिए शिक्षा	3
1.3	सबके लिए शिक्षा के उद्देश्य और लक्ष्य	4
1.4	प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण (U.E.E.)	5
1.5	सार्वभौमिक शिक्षा के लक्ष्य	5
1.6	प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के मापदण्ड	7
1.7	सार्वभौमिक पहुँच	7
1.8	शिक्षा पूर्णता दर में सुधार	9
1.9	आदिवासी शिक्षा	10
2.0	अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक प्रावधान	12
2.1	म0प्र0 में अनुसूचित जनजातियों के लिए शैक्षिक सुविधायें	13
2.2	अध्ययन की आवश्यकता	16
2.3	समस्या कथन	16
2.4	अध्ययन के उद्देश्य	16
2.5	शोध परिकल्पनाएं	17
2.6	क्षेत्रीय परिसीमन	18

द्वितीय अध्याय		**19**
	संबंधित शोध कार्यों का पुनरावलोकन	19
2.7	भारत में किये गये शोध कार्य	20
2.8	विदेशो में किये गये शोध कार्य	26
तृतीय अध्याय		**28**
	शोध की प्रविधी	
3.1	न्यादर्श का चयन	29
3.2	प्रस्तुत शोध कार्यो में चरो का उपयोग	29
3.3	शोध में प्रयुक्त उपकरण	30
3.4	प्रदत्त का संकलन	31
3.5	प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ	32
चतुर्थ अध्याय		
	प्रदत्त का विश्लेषण एवं व्याख्या	
1	परिकल्पना	34
2	निष्कर्ष	34
3	परिकल्पना	35
4	निष्कर्ष	36
5	परिकल्पना	36
6	निष्कर्ष	37
7	परिकल्पना	38
8	निष्कर्ष	38
9	परिकल्पना	39
10	निष्कर्ष	40

11.	विद्यार्थी समस्या प्रश्नावली	41
	निष्कर्ष	42
12.	शिक्षक समस्या प्रश्नावली	
	निष्कर्ष	
पंचम अध्याय		**43**
	निष्कर्ष शोध की सीमाए एवं शोध हेतु सुझाव	
5.1	निष्कर्ष	44
5.2	शोध की सीमाए	44
5.3	शोध हेतु सुझाव	45
षष्ठम अध्याय		
	शोध सार	46
	भूमिका	
6.1	शोध का कथन	47
6.2	शोध के उद्देश्य	47
6.3	शोध के चर	48
6.4	शोध के उपकरण	48
6.5	शोध की परिकल्पना	48
6.6	न्यादर्श चयन प्रक्रिया	49
6.7	शोध की सीमाए	50
6.8	निष्कर्ष	50
6.9	शोध हेतु सुझाव	50
—	**संदर्भ ग्रन्थ सूची**	**51**

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal